स्टेथोस्कोपसे सिपॅप, सब जगह देवावय।.

सातवे आठवेय महिनामें जोन लडिक्यन जन्म लेथेन ओन्हइक फेकडा अविकसित हुवल रह थ।.उलडिक्या पेदा होवय पे रोवथेन तभव उठिकसे फुलत नाहीं।. ऐहिकेनाते लडिक्यन के सॉस लेवय में तकलीफ होथ।. सीने में गढ्ढा पड जाथ।. अईसन सांस लेत थक जाथेन। कितना गुजर जाथेन ऐनहनके प्राणवायू थोडे दबावसे दिहल जाऐ तब ओन्हनक फेफडा खुलथ।. तब इलडिक्यन जीजाथेन ऐके अईसन करें। फोटो देखयं।.

सामान

1) स्टेथोस्कोप क नली - 3 वे क काम करी।.

2) दुनव नाके में पक्का बैठेवाली प्राणवायू।.

3) प्राणवायू क टाकी।.

प्राणवायू टाकी से लगल नगी स्टेथोस्कोप क एक कानवाली नली में लगावकें। ओकरे दुसरे कान के नली से उप्राणवायू लडिक्यॉ के देय। उवायू लडिक्याके नाकमें देय नली वाले प्राणवायू के नली से जायीं।

4)स्टेथोस्कोप क लंबी तीसर की नली पानी में डुबावय।

ऐकरेबिना 100 मिली क सलाईनक नया बोतल चाहीत लेयंसकथेन।.

नली पानी के निचे 5 सेंटीमिटर तलकल डुबयके चाहि।.

5) लडिक्यॉके प्रतिमिनट 5 लिटर प्राणवायू दयहिं। उदबावसेलडिक्यॉ के नाक मेसे लडिक्यॉ के फेफडे में जाई।.

फेफडन के खुला रखी।. ऐकर दबाव पानी के 5 सेंटीमीटर से ज्यादा न होवय।. काहिकेकी ज्यादा क प्राणवायू पानी में डुबत नली से बहरे

चला जाई।. नली पानी में 6 सेंटीमिटर डुबावय तब दबाव 6 सेंटीमिटर होईं।. अऊर 4 सेंटीमिटर डुबावयत 4 सेंटिमिटर दबाव होईं।.

जन्म होवके बाद सांस लेवके तकलीफ होत होईत तुरंतय अईसन कई सकथेन।. भारत में ईहर जगह पर कई सकथेनें।. कई के देखय अऊर आपन अनुभव सबके बतावयं।.